भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *119

13 फरवरी, 2023 को उत्तर के लिए

सेल की इकाइयों को बंद किया जाना

***119. श्री संजय सिंह:**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) अपनी कई इकाइयों को बंद कर रहा है;

(ख) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या कितनी है;

(ग) क्या यह सच है कि भिलाई इस्पात संयंत्र सहित अन्य इकाइयों के घाटे में चलने का मुख्य कारण पुरानी तकनीक की मशीनें एवं पुरानी हो चुकी प्रौद्योगिकी है;

(घ) यदि हाँ, तो गत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा इन इकाइयों के आधुनिकीकरण एवं वित्तीय स्थिति में सुधार हेतु क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा उक्त प्रयोजन हेतु कितनी धनराशि व्यय की गई है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)**

(क)से(ङ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

****

सेल की इकाइयों को बंद किए जाने के संबंध में श्री संजय सिंह, संसद सदस्य द्वारा दिनांक 13 फरवरी, 2023 को पूछे जाने वाले राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या *119 के भाग (क)से(ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क)और(ख): स्टील अथॉरिटी, सरकार के निर्णय के अनुसार केवल विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील प्लांट (वीआईएसपी) बंद कर रहा है। सरकार ने अक्टूबर, 2016 में विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील प्लांट (वीआईएसपी) के रणनीतिक विनिवेश के लिए 'सैद्धांतिक' अनुमोदन प्रदान किया था। बाद में चयनित बोलीदाताओं द्वारा रणनीतिक विनिवेश हेतु आगे की कार्रवाई में भाग लेने के लिए असमर्थता व्यक्त किए जाने के कारण, सक्षम प्राधिकारी ने विनिवेश के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) को रद्द करने का अनुमोदन प्रदान किया था और विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील प्लांट, भद्रावती को बंद करने की प्रक्रिया आरंभ करने का निदेश दिया तथा इसे निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के दिनांक 14.10.2022 के कार्यालय ज्ञापन के तहत सूचित किया गया है। तद्नुसार, लोक उद्यम विभाग के दिनांक 31.10.2022 के कार्यालय ज्ञापन के अनुसार विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील प्लांट, भद्रावती को बंद करने की प्रक्रिया आरंभ की गई है।

दिनांक 01.02.2023 के अनुसार, वीआईएसपी के रोल में 267 नियमित कर्मचारी हैं।

(ग): विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील प्लांट, भद्रावती (वीआईएसपी) और अलॉय इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर (एएसपी) को छोड़कर स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के सभी इस्पात संयंत्रों ने वर्ष 2021-22 में लाभ अर्जित किया है।

इन इकाइयों, नामतः वीआईएसपी और एएसपी को हुए घाटे के मुख्य कारण निम्नानुसार हैं:-

<u>वीआईएसपी</u>:

- अप्रचलित प्रौद्योगिकी के कारण उच्च लागत और कम उत्पादन
- कोक तथा लौह अयस्क जैसे कच्चे माल की उच्च लागत
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी अलॉय इस्पात बाजार
- कर्नाटक में प्रचालनरत कैप्टिव लौह अयस्क खदान की कमी

<u>एएसपी</u>:

- मुख्यतः अप्रचलित प्रौद्योगिकी के कारण उत्पादन की उच्चतर लागत और कम मात्रा में उत्पादन
- सतत् कास्टिंग सुविधा के उपयोग की कमी के कारण कम उत्पादन

(घ)और(ङ): विगत तीन वर्षों के दौरान, रणनीतिक विनिवेश हेतु रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की गई थी ताकि प्रौद्योगिकी, निधियों और सक्षम प्रबंधन के साथ रणनीतिक साझेदार/खरीदार को शामिल किया जा सके।

****